• कविता...

आंधी

संध्या के पहले थी आई,
आंधी हहर हहर कर आई।
उसने चारों ओर उड़ाई,
धूल खूब ही देखो छाई।
धर अपना तब रूप भयंकर,
जाकर चढ़ी शहर के ऊपर।
ध्वजा-पताका तोड़ गिराया,
था लोगों ने जिन्हें सजाया।
फुलबाड़ी-बागों में धंसकर,
डाले तोड़ फूल-फल हंसकर।
कलमी आमों को टपकाया,
जिससे माली ने दुख पाया।
सड़कों पर से लड़के भागे,
मानों सोते से हों जागे।
बनियों ने दुकान बढ़ाई
चौंक पड़े कुंजड़े-हलवाई।
शहर छोड़ आगे वह पहुंची,
नहीं जरा भी मन में सकुची।
गंवई-गांव खेत सब घेरा,
और किया उन पर निज डेरा।
छानी-छप्पर उड़ा बहाए,
पेड़ बहुत से तोड़ गिराए!
भागी तेजी से जाती थी,
अति प्रचंड हो हहराती थी!
अंधाधुंध देखकर भारी,
व्याकुल हुए सभी नर-नारी।
यही नहीं, पशु-पक्षी सारे,
भागे इधर-उधर हो न्यारे।
जिस प्रचंड गति से थी आई,
नहीं रही वैसी वह भाई।
सबका होता हाल यही है,
सच मानो कुछ झूठ नहीं है।

■ देवीदत्त शुक्ल

• चुटकुले...

बॉस : हमारे ऑफिस में सफाई का बहुत ध्यान रखा जाता है। क्या आपने बाहर पायदान पर पैर साफ किए थे?
पप्पू : जी सर, बिल्कुल किए थे।
बॉस : बहुत अच्छे! पर बाहर तो कोई पायदान है ही नहीं। आप रिजेक्टेड हैं!
😂😂😂
पत्नी : अजी सुनते हो, शादी से पहले तो आप मेरे लिए बड़े-बड़े तोहफे लाते थे, अब क्या हुआ?
पति : पगली, कभी किसी शिकारी को देखा है जो मछली पकड़ने के बाद भी उसे चारा खिलाता रहे?

• जानकारी...

फारस की खाड़ी का पानी

मिडिल ईस्ट में ईरान, इजरायल और यूनाइटेड स्टेट्स के बीच बढ़ते तनाव के दौरान पर्शियन गल्फ एक बार फिर से दुनिया भर की नजरों में आ चुका है। वैसे तो इस इलाके पर अक्सर

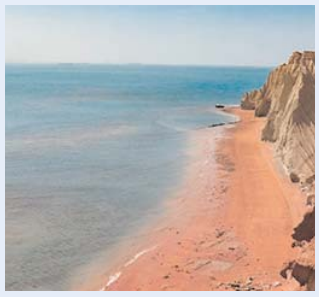

जियोपॉलिटिक्स और तेल के रास्तों की वजह से चर्चा होती ही रहती है, लेकिन यहां की एक और काफी अनोखी बात है। यह है इसका काफी गर्म पानी। असल में पर्शियन गल्फ को दुनिया के सबसे गर्म समुद्रों में से एक माना जाता है। आइए जानते हैं आखिर क्यों है इसका पानी इतना गरम।

क्या है इस गर्म पानी के पीछे की वजह-पर्शियन गल्फ के इतना गर्म होने की सबसे बड़ी वजह इसकी कम गहराई है। ज्यादातर समुद्र के उलट जो हजारों मीटर गहरे हो सकते हैं। पर्शियन गल्फ की एवरेज गहराई सिर्फ लगभग 35 से 50 मीटर है। क्योंकि पानी काफी कम गहरा है इस वजह से सूरज की रोशनी इसे जल्दी गर्म कर सकती है। गर्मी सोखने और बांटने के लिए पानी की कम मात्रा होने की वजह से इसका टेंपरेचर काफी ज्यादा तेजी से बढ़ता है। यहां पर पानी का तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है।

रेगिस्तान से घिरा हुआ -एक और बड़ी वजह खाड़ी के आसपास की जगह है। समुद्र अरब पेनिनसुला के काफी ज्यादा गर्म रेगिस्तानी इलाकों से घिरा है। गर्मियों के महीनों में रेगिस्तानी इलाकों में हवा का टेंपरेचर अक्सर 45 डिग्री सेल्सियस या उससे भी ज्यादा बढ़ जाता है। जब यह काफी ज्यादा गर्म हवा समुद्र की सतह के ऊपर से गुजरती है तो यह पानी में गर्मी ट्रांसफर करती है।

नमी समुद्र के ऊपर गर्मी को रोकती है-पानी को गर्म रखने में एटमोस्फेरिक कंडीशंस काफी बड़ी भूमिका निभाती है। जब उत्तर पश्चिम शामल हवाएं कमजोर हो जाती हैं और भारतीय मानसून से जुड़ी मौसमी हवाएं तेज हो जाती हैं तो इस इलाके में नमी का लेवल बढ़ जाता है। ज्यादा नमी समुद्र के ऊपर एक कंबल की तरह काम करती है। इससे गर्मी आसानी से बाहर नहीं निकल पाती। बस यही वजह है कि गर्म पानी सतह के पास फंसा रह जाता है और टेंपरेचर बढ़ता रहता है।

नमक की ज्यादा मात्रा गर्मी को बनाए रखती है-फारस की खाड़ी कई दूसरे समुद्रों की तुलना में काफी ज्यादा खारेपन के लिए भी जानी जाती है। इस इलाके में काफी ज्यादा इवैपोरेशन होता है और नदियों से आने वाला ताजा पानी कम आता है। इसी वजह से पानी में नमक का लेवल ज्यादा रहता है। काफी ज्यादा खारा पानी गर्मी को ज्यादा अच्छे से बनाए रखता है।

• लातवियाई कहानी

अमर घोड़ा

कुछ देर रुककर उसने फिर कहा, ''आपको मालूम ही है, विज्ञान ने यातायात की नई-नई चीजों का आविष्कार कर लिया है- रेलगाड़ी, कारें, बस, स्कूटर, साइकिल, हवाई जहाज।

पहले लोग यात्रा के लिए सिर्फ घोड़े की सवारी ही पसंद करते थे, लेकिन अब हमारी उपेक्षा हो रही है। हमारी कितनी ही नस्लें खत्म हो चुकी हैं। ऐसी हालत में हमें कुछ-न-कुछ जरूर करना चाहिए।'' सभा में सन्नाटा छा गया...

एक बार दुनिया-भर के घोड़ों की सभा हुई। दूर-दूर से तमाम घोड़े वहाँ इकट्ठे हुए। सबके रंग, कद-काठी और स्वभाव अलग-अलग थे। कोई सफेद, कोई काला, कोई भूरा तो कोई कत्थई।

एक सफेद अरबी घोड़ा दूसरों से बिल्कुल अलग दिखाई पड़ रहा था। वह था घोड़ों का सरदार। एकाएक वह आगे आया। जोर से हिनहिनाया, फिर बोला, ''आप सबको बहुत जरूरी सलाह के लिए बुलाया गया है। हम पर गहरा संकट आ गया है। समय रहते नहीं चेते तो हो सकता है, हमारा नामोनिशान मिट जाए।''

कुछ देर रुककर उसने फिर कहा, ''आपको मालूम ही है, विज्ञान ने यातायात की नई-नई चीजों का आविष्कार कर लिया है-रेलगाड़ी, कारें, बस, स्कूटर, साइकिल, हवाई जहाज। पहले लोग यात्रा के लिए सिर्फ घोड़े की सवारी ही पसंद करते थे, लेकिन अब हमारी उपेक्षा हो रही है। हमारी कितनी ही नस्लें खत्म हो चुकी हैं। ऐसी हालत में हमें कुछ-न-कुछ जरूर करना चाहिए।''

सभा में सन्नाटा छा गया। किसी की समझ में कुछ नहीं आ रहा था। तभी एक कत्थई घोड़े ने कहा, ''क्यों न हम एक अमर घोड़ा रच डालें। फिर तो हमारी जाति कभी नष्ट नहीं होगी न!''

यह बात सब घोड़ों को पसंद आई। पर यह किसी की समझ में नहीं आया कि अमर घोड़ा रचा कैसे जाएगा।

''क्या हमारी तरह वह भी घास खाकर पेट भरेगा?'' एक घोड़े ने पूछा, ''कैसा होगा वह?''

सफेद घोड़े ने कहा, ''मैंने सब सोच लिया है। अमर घोड़ा नीले रंग का होगा, क्योंकि नीला रंग आकाश का होता है। उसके दो पंख भी होंगे। परियों की तरह सुंदर, रंग-बिरंगे पंख। इनसे उड़कर वह कहीं भी जा सकेगा। वह केवल नीले फूल खाएगा। नीले समुद्र या गहरी झीलों का पानी पीएगा। सब उसे दूर से देखेंगे, क्योंकि वह किसी के पास नहीं जा सकेगा। किसी से बातें नहीं करेगा। कोई उसका दोस्त भी नहीं होगा।''

सभी घोड़े ध्यान से सुन रहे थे। तभी सफेद घोड़े ने फिर कहा, ''सामने दो नीली पहाड़ियाँ दिखाई दे रही हैं। उनके बीच है एक गहरी नीली झील। जो भी घोड़ा उस झील तक सबसे पहले पहुँचेगा, वही बनेगा अमर घोड़ा।''

सब घोड़े झील की ओर दौड़े; लेकिन एक दुबला, चुस्त घोड़ा वहाँ सबसे पहले पहुँचा। उसी को अमर बनने के योग्य माना गया। उसके सिर पर रंग-बिरंगे फूलों का ताज रखा गया।

उस घोड़े ने एकाएक झील में छलाँग लगा दी। और जब झील से बाहर आया तो उसका रंग नीला हो चुका था। दो खूबसूरत पंख भी उग आए थे।

घोड़ों के सरदार ने उससे कहा, ''अब तुम वह अमर घोड़ा हो, जिसपर हमारी उम्मीदें टिकी हैं। किसी के पास मत रुकना। किसी से बातें भी मत करना। जो दूसरे घोड़े खाते हैं, वह मत खाना। नहीं तो तुम भी फिर साधारण घोड़ों जैसे बन जाओगे। हाँ, अगर तुम्हें कोई दुःख हो तो तीन बार झील की परिक्रमा करना, फिर आकाश की ओर मुँह करके हिनहिनाना। सब घोड़ों को पता चल जाएगा कि तुम मिलना चाहते हो। हम आ जाएँगे।''

नीले घोड़े ने सिर हिलाया। फिर देखते-देखते वह अदृश्य हो गया।

नीला घोड़ा धरती पर अपनी इच्छा से जहाँ चाहता, घूमता-फिरता। कभी फूलों की घाटी में विश्राम करता तो कभी आकाश में उड़ता। कुछ दिन तो उसे यह सब बहुत अच्छा लगा। लेकिन फिर वह ऊबने लगा। वह अकेला था, एकदम अकेला। किससे बातें करे? किससे कहे अपना सुख-दुःख। धीरे-धीरे उसकी उदासी बढ़ती गई। एक दिन उसकी आँखों में आँसू छलक आए। सोचने लगा, 'ऐसी अमरता से क्या लाभ, जब कोई साथी ही न हो।'

वह बेतहाशा दौड़ता हुआ उसी झील के तट पर आया। तीन बार परिक्रमा की। फिर आकाश की ओर मुँह करके हिनहिनाया।

-जारी

• रोचक...

अमेरिकी नौसेना

वर्ल्ड डायरेक्टरी ऑफ मॉडर्न वॉरशिप्सकी रैंकिंग में अमेरिकी नौसेना पहले स्थान पर बनी हुई है। अमेरिका की सबसे बड़ी ताकत उसके 11 विशाल एयरक्राफ्ट कैरियर हैं, जिनमें से ज्यादातर परमाणु ऊर्जा से संचालित होते हैं। यह तकनीक अमेरिकी बेड़े को बिना ईंधन की चिंता किए महीनों तक समंदर में तैनात रहने की क्षमता प्रदान करती है। अमेरिका के पास न केवल जहाजों की संख्या अधिक है, बल्कि उसके पास आधुनिक लॉजिस्टिकल सपोर्ट और दुनिया के किसी भी कोने में हमला करने की बेजोड़ क्षमता मौजूद है। इस सूची में दूसरे नंबर पर काबिज भारत के पड़ोसी देश चीन ने पूरी दुनिया को चौंका दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, चीन कई मामलों में तकनीकी रूप से अमेरिका के करीब पहुंच चुका है और जल्द ही उसे पछाड़ने की क्षमता रख सकता है। दुनिया की तीसरी सबसे शक्तिशाली नौसेना का खिताब रूस के पास है। रूसी नौसेना को एक जटिल ताकत के रूप में देखा जाता है।

• जर्मनी...

जर्मनी में देश के मशहूर हाईवे नेटवर्क ऑटोबान पर गाड़ी चलाते समय पेट्रोल या डीजल खत्म हो जाना ट्रैफिक नियम तोड़ना माना जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि ड्राइवरों से उम्मीद की जाती है कि वह तेज स्पीड वाली सड़कों पर जाने से पहले अपने फ्यूल लेवल पर नजर रखें। जर्मन ट्रैफिक अधिकारी खाली फ्यूल टैंक को टाली जा सकने वाली रुकावट मानते हैं। इसका मतलब है क्या अगर ड्राइवर ने ठीक से प्लान बनाया होता और लंबी यात्रा को शुरू करने से पहले फ्यूल भरवारा होता तो इस परेशानी को रोका जा सकता था।